रॉबिन शर्मा

LEADERSHIP WISDOM

NOW IN HINDI

नेतृत्व
शिखर की डगर

द मंक हू सोल्ड हिज़ फेरारी के लेखक की प्रस्तुति

''रॉबिन शर्मा की किताबें पूरी दुनिया में लोगों को महानता से भरे जीवन जीने में मदद पहुंचा रही हैं।''
पाउलो कुएल्हो, द अल्केमिस्ट के लेखक

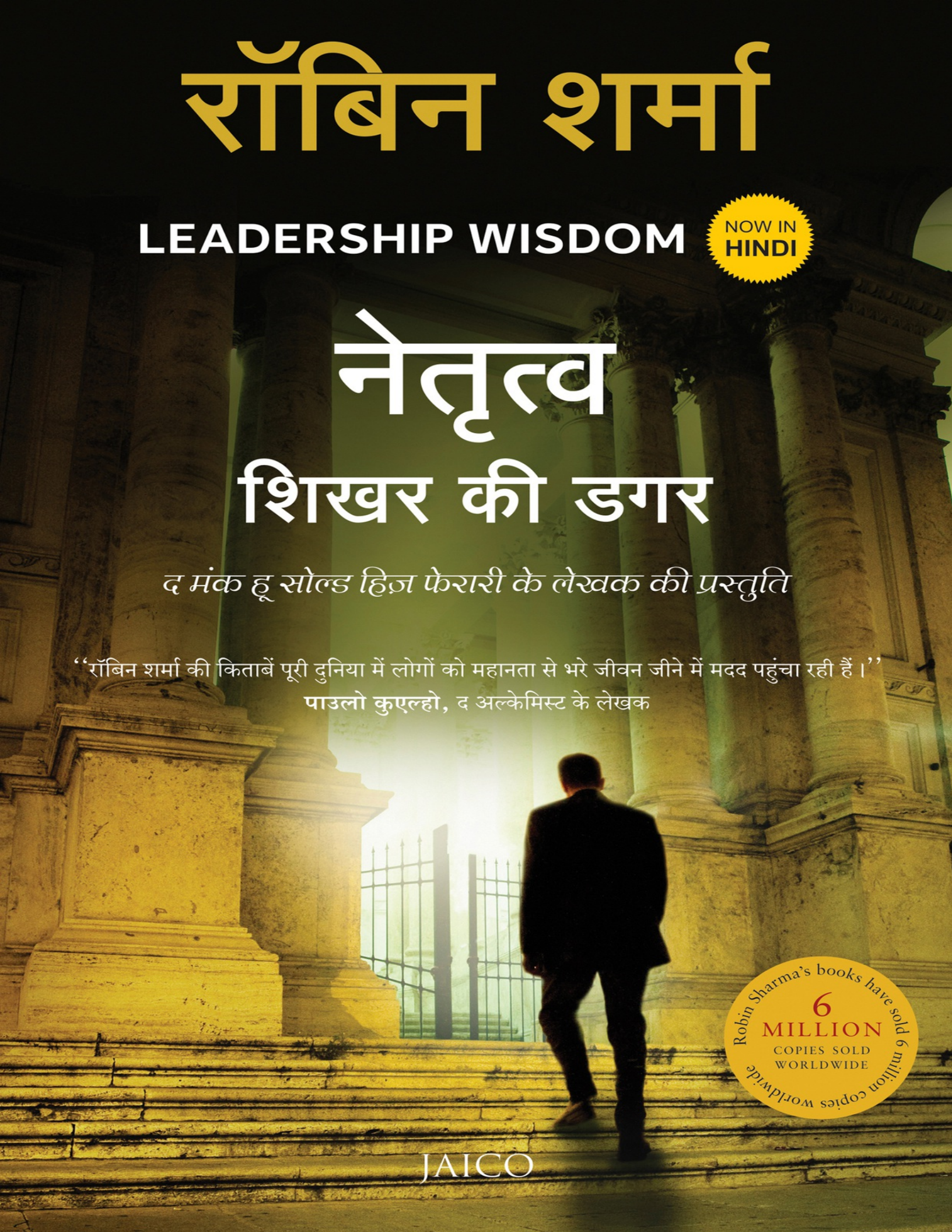

Robin Sharma's books have sold 6 million copies worldwide
6 MILLION
COPIES SOLD WORLDWIDE

JAICO

दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी की सराहना

“एक मोहक कहानी, जो शिक्षा के साथ आनंद देती है।” पाउलो कुएल्ही, दि अल्केमिस्ट के लेखक

“सनसनीखेज से कम कुछ भी नहीं। यह पुस्तक आपके जीवन को सफल तथा सुखी बनाएगी।” मार्क विक्टर हैनसेन, चिकेन सूप फॉर दि सोल के सहलेखक

“रॉबिन शर्मा ने एक मोहक कहानी का सृजन किया है, जिसमें रूपांतरण के उत्कृष्ट साधनों को जीवन के सरल दर्शन में समाहित किया गया है। एक आनंदित करनेवाली पुस्तक, जो आपका जीवन बदल देगी।” इलेन सेंट जेम्स, सिंप्लीफाइ योर लाइफ ऐंड इनर सिंप्लीसिटी के लेखक

“यह व्यक्तिगत विकास, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और व्यक्तिगत प्रसन्नता के क्षेत्र में मजेदार, आकर्षक तथा विलक्षण अभियान है। इसमें ज्ञान के भंडार भरे पड़े हैं, जो हरएक व्यक्ति का जीवन समृद्धकर ऊंचा उठा सकते हैं।” ब्रायन ट्रेसी, मैक्सिमम अचीवमेंट के लेखक

“रॉबिन शर्मा के पास हम सबके लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो हमारा जीवन बदल सकता है। उन्होंने इस व्यस्त वत में व्यक्तिगत संतुष्टि के गुर बतानेवाली अपनी तरह की यह अकेली पुस्तक प्रस्तुत की है।” स्कॉट दिगार्मो, सक्सेस मैगजीन के भूतपूर्व प्रकाशक

“... यह जीवन के बड़े सवालों पर रोशनी डालती है।” दि एड्मौन्टन जर्नल

“दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी तारतम्ययुक्त, उपयोगी तथा निश्चित रूप से पठनीय है. यह पाठकों को सचमुच इस गलाकाट स्पर्धा का सामना करने में सच्ची मदद पहुंचा सकती है।” दि किंग्स्टन व्हिग-स्टैण्डर्ड

“एक शानदार पुस्तक। रॉबिन शर्मा दूसरे ओग मैन्डीनो हैं।” डॉटी वाल्टर्स, स्पीक ऐंड ग्री रिच के लेखक

“... सरल ज्ञान, जिसका कोई भी लाभ उठा सकता है।” दि कैलगरी हेराल्ड

“इस पुस्तक को व्यक्तिगत विकास के लिए दि वेल्दी बारबर की श्रेणी में रखा जा सकता है. इसमें हमारे रोजाना जीवन में ज्यादा संतुलन, नियंत्रण तथा प्रभावशीलता लानेवाले प्रमुख विचारों पर अंतर्दृष्टिपूर्ण संदेश हैं।” इन्वेस्टमेंट एक्जीक्युटिव

“... एक खजाना — सच्ची सफलता तथा प्रसन्नता के लिए एक सुंदर तथा शक्तिशाली फार्मूला। रॉबिन एस. शर्मा ने पुरातन काल से चले आ रहे ज्ञान को समेट उसे इस उथल—पुथलभरे समय के लिए प्रासंगिक बना दिया है। मैं इसे पढ़ना शुरूकर फिर रख नहीं सका।” जो टाइ, नेवर फियर, नेवर क्विट के लेखक

“... अपनी संभावनाओं तक पहुंचने के सरल नियम।” दि हेलीफैक्स डेली न्यूज

“आपके जीवन को समृद्ध कर सकने की सीखें साझा करनेवाली एक कमाल की कहानी।” केन वेगोत्स्की, दि अल्टीमेट पॉवर के लेखक

“विस्मयकारी ढंग से सृजित कथा, जो किसी के जीवन को बेहतर बनाने के सरल किंतु हैरतभरी शक्ति से संपन्न उपाय साझा करती है। मैं अपने सभी क्लायंट्स से यह पुस्तकरत्न पढ़ने की अनुशंसा कर रहा हूं।” जॉर्ज विलियम्स, अध्यक्ष, कैरेट कंसल्टिंग इंटरनेशनल

“रॉबिन शर्मा आध्यात्मिक राह पर व्यक्तिगत संतुष्टि की पेशकश करते हैं।” दि ओटावा सिटिजन

“रॉबिन शर्मा अतीत तथा वर्तमान की कथाओं का सार पाठकों के लिए रुचिकर ढंग से प्रस्तुत करते हैं। यह पुस्तक महान व्यक्तिगत उपलब्धि के स्वयं करने योग्य तरीके चरणबद्ध तरीके से बताती चलती है। सफलता के ये राज शारीरिक चुस्ती तथा मानसिक संतुलन को समाहित करते हैं। रॉबिन के संदेश लेसर के एक प्रकाशपुंज जैसे शक्तिशाली हैं। उनके शब्द जादुई असर रखते हैं।” दि हिन्दू

“सम्प्रेषण के उनके उत्कृष्ट कौशलों ने रॉबिन शर्मा को व्यवसाय तथा जीवन में नेतृत्व पर विश्व के सफलतम सर्वोच्च चिंतकों में से एक बना दिया है।” दि टाइम्स ऑफ इंडिया

“हर व्यक्ति एक नेतृत्वकर्ता है... काम में नया नेतृत्व प्रदर्शित करना आपको ज्यादा सम्मान तथा काम का ज्यादा सकारात्मक अनुभव प्रदान करेगा। रॉबिन एक ऐसे आस्तिक हैं, जिन्होंने जीवन के हर प्रमुख क्षेत्र में संतुलन हासिल किया है। बहुत—से प्रमुख लीग स्पोर्ट्स तथा हालीवुड हस्तियों ने उनकी पुस्तकें अपनाई हैं।” दि इकोनॉमिक टाइम्स

“उनके सेमिनार मैनेजिंग डायरेक्टरों से लेकर फिल्म सितारों, डायरेक्टरों तथा एक्जिक्युटिव्स तक एक विस्तृत क्षेत्र के लोगों को प्रभावित करते हैं। दीपक चोपड़ा एक ज्यादा आध्यात्मिक लेखक हैं, जबकि रॉबिन अधिक व्यावहारिक हैं और वे दर्शन को सरलीकृत करने की चेष्टा करते हैं।” दि इंडियन एक्सप्रेस

“आज रॉबिन शर्मा अंतरराष्ट्रीय रूप से सबसे ज्यादा बिकनेवाले लेखक हैं; एक ऐसी शक्ति, जिसे गंभीरता से लेना होगा।” सिटी इंडियन एक्सप्रेस

“एक हृदयग्राही व्यक्तित्व, मुस्कुराता चेहरा तथा व्यक्तिगत सौहार्द स्थापित कर लेने की योग्यता के साथ यह देख पाना कठिन नहीं है कि क्यों एक प्रशिक्षण गुरु के रूप में रॉबिन इतनी ऊंचाई तक पहुंचे; जो एक ऐसी उपाधि है, जिसे वे स्वीकार नहीं करते।” दि फ्री प्रेस जर्नल

“यह पुस्तक एक सफल वकील की सरल किंतु प्रेरणाप्रद कहानी है, जिसने एक संतुष्टिदायक जीवन के लिए सब छोड़ दिया। इसमें जीवन में मायने, खुशी और संतुष्टि की एक ज्यादा गहरी चाहत है।” डीएनए

“रॉबिन शर्मा उसी तरह की सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करते हैं, जिसकी चरचा उनकी सभी किताबों में रहती है और उनमें व्यवसाय तथा स्व—सहायता दोनों ही के लिए ललक है। रॉबिन का यह यकीन सच्चा है कि उनके अनुभवों ने बहुत—से लोगों की मदद की है... खासकर तब, जब वे कॉरपोरेट सत्र लेते हैं।” दि एशियन एज

“रॉबिन से मिलकर कोई भी यह अनुभूत किए बगैर वापस नहीं हो सकता कि यह व्यक्ति सच्चा है।” डेक्कन हेराल्ड

“इजराइल के भूतपूर्व प्रधानमंत्री एवं नोबेल पुरस्कार विजेता, सिमौन पेरेज, मिशेल यो, तथा रिकी मार्टिन जैसे व्यक्तियों ने माने हुए स्व—सहायता गुरु, रॉबिन शर्मा, की पुस्तकें अपनाई हैं।” विजय टाइम्स

“शर्मा अपने पाठकों को प्रबुद्धता की राह दिखाते हैं।” दि क्रोनिकल हेराल्ड

“वे मोटिवेशनल वक्ताओं की श्रृंखला में एक नामचीन हस्ती हैं, लेकिन गुरु नहीं कहलाना चाहते। यह चीज भलीभांति समझ में आती है, क्योंकि एक विश्वस्तरीय संगठन को सही स्वरूप देने के अपने विजन तथा योग्यता की वजह से एक कॉरपोरेट कोच के रूप में वे भारतीय नेतृत्वकर्ताओं की पसंद हैं।” दि न्यू इंडियन एक्सप्रेस

लीडरशिप विजडम फ्रॉम दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी की सराहना

“इस वर्ष की सर्वश्रेष्ठ बिजनेस पुस्तकों में से एक।” — प्रॉफिट मैगजीन

“... अत्यंत सूचनाप्रद, आसानी से पठनीय तथा बहुत मददगार... हमने अपनी सभी प्रबंधन टीमों और स्टोर संचालकों को इसकी प्रतियां बांटी हैं। फीडबैक बहुत सकारात्मक रहा है।” डेविड ब्लूम, सीईओ, शौपर्स ड्रग मार्ट

“रॉबिन शर्मा के पास आज के सबसे जरूरी नेतृत्व मुद्दों के लिए अपने शक्तिशाली समाधानों को व्यक्त करने की साफ—सुथरी, जमीनी शैली है। आज जबकि कारोबारी लोग इतने ज्यादा शब्दजाल का सामना कर रहे हैं, यह बहुत ताजगीदायक है।” ईयन टर्नर, मैनेजर, सेलेस्टिका लर्निंग सेंटर

“यह पुस्तक ज्ञान और सहज बोध की स्वर्णिम खान है।” डीन लैरी टैप, रिचर्ड आइवी स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओंटेरियो

“एक शानदार पुस्तक, जो किसी भी कारोबारी व्यक्ति को ज्यादा प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने तथा जीने में मदद करेगी।” जिम ओ’नील, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, डिस्ट्रिक्ट सेल्स डिवीजन, लंडन लाइफ

“भिक्षु व्यवसाय में संतुलन का तरीका बताता है... पुस्तकें काम करती हैं... ” दि टोरंटो स्टार

“लीडरशिप विजडम फ्रॉम दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी सबसे ज्यादा बिकनेवाली पुस्तकों में शीर्ष स्थान के लिए आगे बढ़ रही है।” इन्वेस्टमेंट एक्जीक्युटिव

“शर्मा का मिशन पाठकों को विजनरी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करना और उनके कारोबारों को ऐसे संगठनों में रूपांतरित करना है, जो बदलाव के इस युग में फल—फूल सकें।” सेल्स प्रोमोशन मैगजीन

“शर्मा पश्चिम और पूर्व के महान दार्शनिकों के ज्ञान को मिलाकर उसका व्यावसायिक दुनिया पर प्रयोग करते हैं।” दि लिबरल

“शर्मा अतीत के गुरुओं की सीखों का इस पर रोशनी डालने के लिए इस्तेमाल करते हैं कि हम किस तरह एक हाइ —टेक और तेजी से बदलती दुनिया के तनावों का सामना कर सकते हैं।” दि रेड डियर एडवोकेट

नेतृत्व ज्ञान

विजनरी नेतृत्वकर्ताओं के ८ रिवाज

द मंक हू सोल्ड हिज़ फेरारी के लेखक की प्रस्तुति

LEADERSHIP WISDOM

रॉबिन शर्मा

जयको पब्लिशिंग हाऊस

अहमदाबाद बेंगळुरू भोपाळ चेन्नई
दिल्ली हैद्राबाद कोलकता लखनौ मुंबई

प्रकाशक
जयको पब्लिशिंग हाउस
ए-**2** जश चेंबर्स**, 7-**ए सर फिरोजशाह महेता रोड
फोर्ट**,** मुम्बई **- 400 001**
jaicopub@jaicobooks.com
www.jaicobooks.com

© रॉबिन शर्मा

हारपर कालिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड,
टोरंटो, कनाडा के सहयोग से

LEADERSHIP WISDOM FROM
THE MONK WHO SOLD HIS FERRARI
नेतृत्वः शिखर की डगर
ISBN 978-81-8495-774-7

अनुवादकः विजय नंदन

पहला जयको संस्करणः 2015

बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के इस पुस्तक का कोई भी भाग, किसी भी प्रकार से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, न कॉपी किया जा सकता है, न रिकार्डिंग और न ही कम्प्यूटर या किसी अन्य माध्यम से स्टोर किया जा सकता है।

मेरी बेटी, बिआंका को। तुम सदा आनंद की मूर्ति बनी रहो।

दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी के उन बहुत—से पाठकों को,
जिन्होंने अपने व्यस्त जीवन से वक्त निकाल मुझे यह बताया
कि कैसे इस सरल—सी पुस्तक ने उनके अंतर को छू लिया।
आपने मुझे भावविव्हल कर दिया।

और उन सारे नेतृत्वकर्ताओं को, जो अपने और उन लोगों के
बीच विश्वास के पवित्र बंधन का आदर करते हैं, जिनके
नेतृत्व का सौभाग्य उन्हें हासिल है।

रोगों और शिकवों के शिकार बेचैन पुतले होकर यह शिकायत करते फिरने कि दुनिया आपको खुश रखने के लिए कुछ नहीं करेगी, के बजाए कुदरत की सच्ची ताकत बनना, एक ऐसे उद्देश्य के लिए खुदका इस्तेमाल होने देना जिसे आप महान मानते हैं, जीवन का सच्चा आनंद है... मैं चाहता हूं कि अपनी मौत तक मैं पूरी तरह इस्तेमाल हो जाऊं। क्योंकि मैं जितनी कड़ी मेहनत करूंगा, उतना ही ज्यादा जीवित रहूंगा। मैं जिंदगी में खुद उसके ही लिए जश्न मनाता हूं। जीवन मेरे लिए एक छोटी मोमबत्ती नहीं है। यह एक किस्म की शानदार मशाल है, जिसे मुझे अभी ऊंचा उठाए ही रखना है और मैं यह चाहता हूं कि आगे की पीढ़ियों को इसे सौंपने के पहले यह जितनी तेज चमक के साथ मुमकिन हो, जलती रहे।

–जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

अध्यायसूची

आभार

1 कामयाबी की एक उन्मुक्त यात्रा

2 गुलाबों के मेरे बाग में एक भिक्षु

3 एक कॉरपोरेट योद्धा का चमत्कारपूर्ण कायाकल्प

4 नेतृत्व के विजन से संबद्ध ज्ञान

5 भविष्य पर बाध्यकारी एकाग्रता का रिवाज

6 मानवीय संबंधों का रिवाज

7 टीम की एकता का रिवाज

8 अनुकूलनशीलता तथा परिवर्तन के प्रबंधन का रिवाज

9 व्यक्तिगत प्रभावशीलता का रिवाज

10 खुदके नेतृत्व का रिवाज

11 सृजनात्मकता तथा नवाचार (इनोवेशन) का रिवाज

12 योगदान और अहमियत का रिवाज

आभार

उन हजारों लोगों के प्रति, जिन्होंने दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी पढ़ी, इसकी सीखों से प्रेरित हुए और इसके ज्ञान को अपने परिजनों तथा दोस्तों से साझा किया। आप सबको धन्यवाद कि आपने जीवन के उत्थान का यह संदेश फैलाने में मेरी मदद की।

उन सबको, जो पूरे यूनाइटेड स्टेट्स और कनाडा में संपन्न मेरे सार्वजनिक तथा कॉरपोरेट सेमिनारों में भागीदार हुए। शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल के कॉरपोरेट ग्राहकों को विशेष धन्यवाद, जिन्होंने अपने कर्मियों के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत नेतृत्व कार्यक्रम प्रायोजित किए। मैं आपकी कामयाबी में अपने योगदान को अपना सौभाग्य समझता हूं।

हार्पर कॉलिन की पूरी टीम को। आपलोगों ने इसे अत्यंत आनंददायक तथा संतोषभरा अनुभव बना दिया। क्लाउड प्राइमो को आपके मार्गदर्शन के लिए, आइरिस तुफोम को मुझमें आपके विश्वास के लिए, जूडी ब्रन्सेक, टॉम बेस्ट, मेरी कैम्पबेल, डेविड मिलर, लॉयड केली, डोरे पॉटर, वेलेरी ऐपलबी, नील एरिकसन और निकोल लैंग्लोस, आप सब अंतर्दृष्टि से लैस तथा अत्यंत सक्षम संपादकगण हैं।

शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल की मेरी बहुमूल्य टीम को आपकी ऊर्जा, समर्थन तथा मेरे सतत चलनेवाले कॉरपोरेट सेमिनारों और मीडिया कार्यक्रमों के प्रबंधन के लिए।

मेरी मां तथा पिताजी को। मेरे दिल में आपके लिए अत्यंत आदर, प्रशंसा तथा प्रेम है। मेरे प्रिय भाई संजय को, जो मेरे अथक समर्थक तथा विश्वासपात्र हैं, उनकी पत्नी, सुसान।

मेरे तरुण बेटे, कोल्बी को, पांडुलिपियों के लेखन के दौरान भी मुझे हंसता—खेलता रखने के लिए (अंशत: अपनी क्यूरियस जॉर्ज कहानियों से) और मेरी बेटी बिआंका को, मेरे लिए एक रोशनी की तरह होने के लिए।

अध्याय 1

कामयाबी की एक उन्मुक्त यात्रा

यह मेरे जीवन का सबसे दुखद दिन था। मैंने सप्ताहांत का एक दुर्लभ लंबा अवकाश अपने बच्चों के साथ पहाड़ों में लंबी पैदल यात्राओं का आनंद लेता और खिलखिलाता बिताया था और वहां से लौटकर मैं अभी—अभी अपने काम पर कार्यालय वापस लौटा था। कुछ दूरी से ही मैंने अपने प्रिय कार्यालय में सुसज्जित महोगनी की मेज पर दो विशालकाय सुरक्षा गार्डों को झुका हुआ देखा। तेज कदमों से चलते हुए निकट पहुंचकर मैंने पाया कि वे मेरे द्वारा उन्हें देख लेने से बेपरवाह मेरी फाइलों और मेरे लैपटॉप के कीमती दस्तावेजों में कुछ तलाश रहे थे। अंतत: जब मैं उनकी इस अक्षम्य हिमाकत पर गुस्से से लाल खड़ा कांप रहा था, तो उनमें से एक ने भावशून्य चेहरे से मेरी ओर देखते हुए इक्कीस शब्द कहे, जो मेरे कलेजे में शूल की तरह लगे, "मि. फ्रैंकलिन, आपको बर्खास्त कर दिया गया है। हमें हर हालत में आपको तुरंत इस इमारत से बाहर कर देना है।"

मैं इस सादी—सी सूचना के साथ ही पूरे महादेश की एक सबसे तेज गति से बढ़ती सॉफ्टवेयर कंपनी के वरीय उपाध्यक्ष से एक ऐसे व्यक्ति में तब्दील हो गया, जिसके सामने उसका भविष्य मुंह बाए खड़ा था। और आप इसका यकीन करें कि मैंने अपनी बर्खास्तगी को बड़ी चोट के साथ लिया। मेरे लिए नाकामी एक अजनबी—सी चीज थी, एक ऐसा तजुरबा, जिससे निबटना मुझे आता ही न था। अपने कॉलेज में मैं एक आदर्श छात्र माना जाता, जिसे हमेशा सर्वाधिक अंक हासिल होते, जिस पर लड़कियां लट्टू रहतीं और जिसके भविष्य की संभावनाओं की कोई सीमा ही नहीं थी। मैं यूनिवर्सिटी की दौड़ टीम में शामिल था, अपने वर्ग का अध्यक्ष चुना गया और यहां तक कि अपने कैम्पस के रेडियो स्टेशन के लिए एक अत्यंत लोकप्रिय जाज प्रदर्शन का मेजबान बनने का वक्त भी निकाला। सभी यह महसूस करते कि मैं एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हूं और एक महान भविष्य मेरा इंतजार कर रहा है। एक दिन मैंने अपने एक वृद्ध प्रोफेसर को एक सहकर्मी से यह कहते सुना, "यदि मुझे एक बार फिर से जीने का मौका मिले, तो मैं इसे पीटर फ्रैंकलिन के रूप में जीना चाहूंगा।"

कृपया यह जान लें कि मेरी प्रतिभा उतनी सहज नहीं थी, जैसा लोगों का यकीन था। मेरी उपलब्धियों का वास्तविक स्रोत एक कठोर कार्यनीति तथा जीतने का एक सनकी जुनून था। बहुत साल पहले मेरे पिता इस देश में पैसे—पैसे के मुंहताज प्रवासी के रूप में आए थे, जिनकी आंखों में अपने परिवार के लिए एक सुकूनभरी, समृद्ध और खुशहाल जिंदगी के सपने थे। उन्होंने हमारा पारिवारिक नाम बदल लिया, हमें शहर के शरीफ हिस्से में तीन कमरों के एक अपार्टमेंट में रखा तथा खुद एक फैक्ट्री मजदूर के रूप में अथक मेहनत शुरू की, जिसे वे पूरे चालीस सालों तक करते रहे। हालांकि उन्हें कोई औपचारिक शिक्षा नहीं हासिल थी, बहुत हाल तक मैंने उनसे अधिक बुद्धिमान कोई व्यक्ति न देखा था... पर कुछ ही दिनों पहले, मेरी मुलाकात एक अत्यंत असाधारण मनुष्य से हुई; एक ऐसा व्यक्ति, जिसके विषय में आपको सचमुच जानना ही चाहिए। जल्दी ही मैं आपको उसके विषय में बहुत कुछ बताऊंगा। फिर आप कभी पहले जैसे नहीं रह पाएंगे।

मेरे लिए मेरे पिता का एक सरल—सा सपना था: सबसे अच्छे दरजे के स्कूल में सबसे अच्छे दरजे की शिक्षा हासिल करो। तभी कहीं जाकर चोटी की उपलब्धियों और उचित मुआवजेभरा करियर सुनिश्चित हो सकेगा, ऐसी उनकी उम्मीद थी। यह उनका पक्का यकीन था कि व्यक्तिगत जानकारियों की एक सुविकसित बुनियाद पर ही एक कामयाब जीवन की इमारत खड़ी की जा सकती है। "चाहे तुम्हें जो भी हो जाए, पीटर, कभी कोई तुम्हारी शिक्षा नहीं छीन सकता। चाहे तुम जहां भी जाओ और जो भी करो, ज्ञान हमेशा—हमेशा के लिए तुम्हारा सबसे अच्छा दोस्त बना रहेगा," वे अपने कारखाने में—जिसे उन्होंने अपने जीवन का ज्यादातर हिस्सा समर्पित कर दिया—14 घंटों की कड़ी मेहनत का एक और दिन बिताकर घर में रात का खाना खतम करते हुए प्राय: मुझसे कहा करते। वे एक कमाल के इनसान थे।

वे एक महान किस्सागो भी थे, सबसे बेहतरीन में एक। उनके गृहप्रदेश के बड़े—बुजुर्ग बच्चों को युगों पुरानी अक्लमंदी बताने के लिए किस्सों का इस्तेमाल किया करते, सो वे इस समृद्ध परंपरा को अपने साथ अपने